

भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2525

10 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: कच्चे काजू के सह-उत्पादों का उपयोग

2525. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसादः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार के पास कच्चे काजू के सह-उत्पादों का उपयोग करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) काजू के सह-उत्पादों और उनके उपयोग का व्यौरा क्या है;
- (ग) काजू के सह-उत्पादों से अर्जित राजस्व का व्यौरा क्या है;
- (घ) क्या काजू की पैदावार बढ़ाने के लिए काजू की कोई नई किस्म शुरू की गई है यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ड) विगत तीन वर्षों के दौरान काजू के निर्यात और आयात का व्यौरा क्या है; और
- (च) क्या तमिलनाडु के कुड़ालोर जिले में काजू की खेती के संबंध में कोई अध्ययन किया गया है यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क) से (ग): कच्चे काजू के प्रसंस्करण के दौरान सह-उत्पाद के रूप में कैश्यूनट शेल लिकिवड (सीएनएसएल), टेस्टा और शेल प्राप्त होते हैं। काजू अनुसंधान केंद्र, मदक्कथारा, केरल कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - काजू अनुसंधान निदेशालय (डीसीआर), पुतूर, कर्नाटक कच्चे काजू के सह-उत्पादों के उपयोग सहित विभिन्न अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को संचालित करने में लगे हुए हैं। काजू अनुसंधान केंद्र, मदक्कथारा ने काजू सेब के व्यावसायिक उपयोग के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है, जिसमें काजू सेब का सिरप, मिक्सड फ्रूट जैम, अचार, रेडी-टू-सर्व (आरटीएस) पेय पदार्थ, कार्बोनेटेड पेय, कैंडी और एनर्जी बार जैसे विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। कच्चे काजू के

विभिन्न सह-उत्पादों का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है। वर्ष 2023-24 के दौरान काजू सह-उत्पादों के निर्यात से कुल 77.21 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

(घ): आईसीएआर - डीसीआर, पुतूर ने बेहतर उपज क्षमता वाली काजू की चार नई उन्नत किस्में/ हाइब्रिड विकसित की हैं। ये किस्में हैं नेथरा जंबो-1, नेथरा उभाया, नेथरा गंगा और नेथरा जंबो-2।

(ड.): वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक काजू के निर्यात और कच्चे काजू के आयात का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(च): तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने तमिलनाडु के कुड़ालोर जिले में काजू की खेती पर विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन किया है, जैसे कि काजू के अति उच्च घनत्व/उच्च घनत्व रोपण, प्रशिक्षण और छंटाई, ड्रिप सिंचाई, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का उपज पर प्रभाव, किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त करने के लिए काजू को अन्य फसलों यानी सब्जियों, दालों, तिलहन और औषधीय पौधों के साथ अंतरफसल के रूप में उगाना और कीटों और बीमारियों यानी टी मस्कीटो बग, स्टेम और रूट बोरर का प्रबंधन।

काजू के सह-उत्पादों का विवरण

कच्चे काजू सह-उत्पाद	उपयोग
कैश्यूनट शेल लिक्विड (सीएनएसल)	औद्योगिक तरल पदार्थ जिसका उपयोग दवाओं, कागज की स्याही, पेंट, वार्निश, रेजिन में तथा कुछ त्वचा संबंधी विकारों के उपचार में किया जाता है।
आउटर शेल	ईंधन के रूप में इसे या तो सीधे बायोमास के रूप में जलाया जाता है या गैसीकरण के लिए फीडस्टॉक के रूप में उपयोग किया जाता है या ब्रिकेट में परिवर्तित किया जाता है।
टेस्टा/ पील	प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट, निकाला गया ऐनिन लेदर विनिर्माण उद्योग में एक उपयोगी संसाधन है।
काजू सेब	औषधीय: स्कर्वी, दस्त, फैरिन्जाइटिस और पुरानी पेचिश का उपचार। खाद्य: जैम, सिरप, चटनी, पेय और जूस

अनुलग्नक -II

काजू और उसके उत्पादों के निर्यात और कच्चे काजू के आयात का विवरण

मात्रा '000 एमटी में, मूल्य: आईएनआर करोड़

वर्ष	निर्यात		आयात	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
2021-22	82.92	3586.62	939.20	9338.37
2022-23	78.82	3132.89	1332.19	14369.51
2023-24	81.58	3074.99	1255.10	11828.15

स्रोत: (व्यापार प्रभाग, डीएंडएफडब्ल्यू)
